

information whether the scholarships are paid or not?

Dr. K. L. Shrimali: We wrote to the university and the information did not come. So, we will have to wait. As soon as the information is available, I will place the information on the Table of the House.

Gandhi Bhawans in Universities

*96. **Shri Bibhuti Mishra:** Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) the names of the Universities to which grants have been given by the U.G.C. for constructing Gandhi Bhawans; and

(b) what is the basis of giving the grant to a particular university?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrima'i): (a)

- (i) Allahabad.
- (ii) Delhi.
- (iii) Karnatak.
- (iv) Mysore.
- (v) Nagpur.
- (vi) Punjab.
- (vii) Rajasthan.

(b) The grant was given to those universities that expressed their willingness to start Gandhi Bhawans on a pattern of 1 : 1 assistance by the University Grants Commission and the Gandhi Samarak Nidhi.

श्री विभूति मिश्र : विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों में जो गांधी भवन बनाये जायेंगे, क्या वहाँ पर गांधी जी के सम्बन्ध में लिटिचर का संग्रह होगा ? वहाँ पर और क्या काम होगा ?

डा० का० ला० श्रीमाली : गांधी जी का जितना भी साहित्य है, वह वहाँ पर रखा जायेगा। विद्यार्थी उस का अध्ययन करेंगे और उस के बारे में चर्चा करेंगे।

श्री विभूति मिश्र : क्या गांधीवाद के बारे में बताने के लिये विभिन्न यूनिवर्सिटीज को गांधी जी के तत्वों को खास तौर से जानन के

विद्वानों और स्पेशलिस्ट्स की सेवाओं को उधार दिया जायेगा ?

डा० का० ला० श्रीमाली : यह योजना किस तरह से काम में लाई जायेगी, यह तो यूनिवर्सिटीज के ऊपर है। लेकिन जहाँ जहाँ गांधी भवन होंगे, वहाँ समय समय पर गांधीवाद पर विचार किया जायेगा, उस के अध्ययन की व्यवस्था होगी और वहाँ पर जो साहित्य होगा, उस से विद्यार्थियों को लाभ होगा।

डा० गोविंद दास : अभी तक विभिन्न विश्वविद्यालयों में जिन गांधी भवनों का निर्माण हुआ है, क्या वे एक से हैं, या अलग अलग विश्वविद्यालयों में अलग अलग तरह के हैं ? जहाँ की दरखास्तें अभी सरकार के सामने मौजूद हैं, क्या वहाँ पर गांधी भवनों की स्थापना का जल्दी प्रयत्न किया जा रहा है ?

डा० का० ला० श्रीमाली : सब जगह पर गांधी भवन बिल्कुल एक से तो नहीं हैं। अलग अलग होंगे, लेकिन कोशिश यह की जाती है कि दृष्टिकोण सब का एक हो।

Shri P. R. Patel: Gandhi literature is found in the libraries of all the universities. May I know what necessity is there for Government to give a special grant for Gandhi Bhawans?

Dr. K. L. Shrimali: The main idea is to make a compact library in one place. It will certainly greatly popularise the teachings and ideals of Gandhiji if we have a separate institution in the universities.

Shrimati Savitri Nigam: May I know what expenditure would be incurred in every Gandhi Bhawan and whether any special personnel will also be appointed to train people in this Gandhian philosophy?

Dr. K. L. Shrimali: The general pattern of assistance is Rs. 50,000 maximum for each from the University Grants Commission and Gandhi Smarak Nidhi.

Dr. P. S. Deshmukh: May I know what is the approximate amount which is available for this purpose and how many universities are envisaged for the construction of Gandhi Bhawans?

Dr. K. L. Shrimali: I have already answered the first part of the question. Construction of Gandhi Bhawans has been sanctioned in 12 universities. I have already given the names.

Shri Tyagi: May I know how many books were written by Gandhiji which will be brought into these libraries?

Dr. K. L. Shrimali: This will contain not only books written by Gandhiji, but on Gandhiji by several persons. There are hundreds and hundreds of books which will be found in different languages on Gandhiji.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : शिक्षा मंत्री ने अभी बताया कि इतने विश्वविद्यालयों को गांधी भवन बनाने के लिये सहयोग दिया गया है, मैं यह जानना चाहता हूँ कि सब को समान रूप से निर्धि दी गई है, अथवा उस निर्धि में कुछ अन्तर किया गया है। यदि अन्तर किया गया है, तो उसका कारण क्या है ?

डा० का० ला० श्रीमाली : समान रूप से दी गई है। दिल्ली यूनिवर्सिटी को ज्यादा रपया दिया गया है, क्योंकि उस की योजना में थोड़ा ज्यादा खर्च हुआ था।

Shri Tyagi: It is a waste of money.

Dr. K. L. Shrimali: I do not agree with the hon. Member.

Shri Tyagi: I do not agree with you.

Dr. K. L. Shrimali: That is a matter of opinion.

Mr. Speaker: Order, order.

श्री कृष्णाय : क्या मैं जान सकता हूँ भवनों की योजना पर कुल होगा ?

डा० का० ला० श्रीमाली : मैंने इस का उत्तर दे दिया है कि गांधी स्मारक निर्धि और यूनिवर्सिटीज ग्रान्ट्स कमीशन दोनों इस में सहयोग देते हैं पचास हजार रुपये तक।

Machine Tool Factory in Kerala

+

Shri Bibhuti Mishra:
Shri Dinesh Bhattacharya:
*97. { Shri P. Kunhan:
Shri Koya:
Shri Morarka:

Will the Minister of Steel and Heavy Industries be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the proposed machine tool factory in public sector will be set up in Kerala; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel and Heavy Industries (Shri P. C. Sethi): (a) and (b). Government have under consideration a proposal to establish another machine tool factory in the public sector. The feasibility of locating the factory in Kerala is under examination.

श्री विभूति मिश्रा : यह विचार गवर्नमेंट के अन्डर कंसिडरेशन कब तक रहेगा और कब सरकार इस काम को हाथ में लेगी ?

श्री प्र० चं० सेठी : हिन्दुस्तान मशीन टूलज इसका सरवे कर रहा है। जैसे ही यह सरवे का काम पूरा हो जायेगा, वैसे ही यह काम हाथ में लिया जायेगा।

श्री विभूति मिश्र : मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह काम कितने दिनों में होगा और क्या यह काम द्रुतगति से चल रहा है या धीमी गति से चल रहा है ?

श्री प्र० चं० सेठी : गति तो तीव्र ही है। बहुत शीघ्र ही उसको पूरा करने की कोशिश की जायेगी।